भारत सरकार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. 58

बुधवार, दिनांक 22 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने हेतु

सौर ऊर्जा क्षमता में वृद्धि

***58. डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:**

श्रीमती भारती पारधी:

क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय सौर ऊर्जा मिशन के माध्यम से 50 गुना विस्तार प्राप्त किए जाने के संबंध में वर्ष 2014 से 2026 तक सौर ऊर्जा क्षमता में हुई वृद्धि का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह विकास पथ चीन और अमरीका के साथ-साथ भारत को वैश्विक सौर ऊर्जा क्षेत्र के अग्रणी देशों में स्थापित करता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या कई राज्यों में फैले सौर ऊर्जा पार्क विकासकर्ताओं के जोखिम को कम करते हुए और प्रतिस्पर्धी प्रशुल्क को सक्षम बनाते हुए प्लग-एंड-प्ले अवसंरचना उपलब्ध कराते हैं और यदि हां, तो प्रचालन क्षमता और विकसित हो रही परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के आवंटन से पॉलीसिलिकॉन से लेकर मॉड्यूल तक की संपूर्ण मूल्य शृंखला को शामिल करते हुए एकीकृत सौर विनिर्माण में निवेश आकर्षित हुआ है और यदि हां, तो चालू की गई क्षमता की तुलना में इस संबंध में कम हुए आयात का ब्यौरा क्या है;

(ङ.) क्या रूफटॉप सोलर सेगमेंट से वितरण हानियों और ग्रिड अवसंरचना पर अधिकतम मांग को कम करते हुए विकेन्द्रीकृत विद्युत का उत्पादन सुगम हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या मिशन के अंतर्गत यूटिलिटी स्केल सौर ऊर्जा पार्कों और वितरित रूफटॉप प्रणाली, दोनों पर ध्यान केंद्रित करने से बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने और जमीनी स्तर पर ऊर्जा सुलभता सुनिश्चित करते हुए संतुलित विकास सुनिश्चित होता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क) से (च): एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

<u>विवरण</u>

'सौर ऊर्जा क्षमता में वृद्धि' के संबंध में पूछे गए दिनांक 22.07.2026 के लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 58 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) वर्ष 2014 से देश में सौर क्षमता स्थापना के क्षेत्र में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। दिनांक 30.06.2026 की स्थिति के अनुसार, देश की कुल स्थापित सौर क्षमता 162.15 गीगावाट हो गई है, जो वर्ष 2013-14 में स्थापित 2.82 गीगावाट क्षमता की तुलना में लगभग 57 गुना वृद्धि दर्शाती है।

(ख) अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी (International Renewable Energy Agency - IRENA) की Renewable Energy Capacity Statistics 2026 रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब स्थापित सौर क्षमता के आधार पर विश्व का तीसरा सबसे बड़ा देश है।

(ग) "सौर पार्कों तथा अल्ट्रा मेगा सौर विद्युत परियोजनाओं का विकास" योजना का उद्देश्य सौर विद्युत परियोजनाओं के विकास हेतु आवश्यक सभी इन्फ्रास्ट्रक्चर, जैसे भूमि, विद्युत निकासी (Power Evacuation) सुविधाएं, सड़कें, जल सुविधा तथा अन्य सहायक इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराना है। इन सुविधाओं का विकास सौर विद्युत पार्क डेवलपरों (Solar Power Park Developer) द्वारा किया जाता है, जिससे सौर परियोजना डेवलपर अपनी परियोजनाओं की स्थापना दक्षतापूर्वक तथा न्यूनतम कार्यान्वयन संबंधी चुनौतियों के साथ कर सकें। अब तक 14 राज्यों में कुल 39,461 मेगावाट की कुल क्षमता के 56 सौर पार्क स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से विभिन्न सौर पार्कों में कुल 18,919 मेगावाट क्षमता की सौर विद्युत परियोजनाएं चालू की जा चुकी हैं।

(घ) उच्च दक्षता सौर पीवी मॉड्यूलों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (Production Linked Incentive - PLI) योजना के अंतर्गत पूर्णतः/आंशिक रूप से एकीकृत सौर पीवी मॉड्यूल विनिर्माण इकाइयों की लगभग 48.3 गीगावाट क्षमता स्थापित करने हेतु आवंटन-पत्र (Letters of Award) जारी किए गए हैं। इनमें पॉलीसिलिकॉन, इंगोट-वेफर, सेल तथा मॉड्यूल के विनिर्माण का प्रावधान शामिल है। दिनांक 31.06.2026 की स्थिति के अनुसार, लगभग 42 गीगावाट सौर पीवी मॉड्यूल, 11.5 गीगावाट सौर पीवी सेल तथा लगभग 2 गीगावाट इंगोट-वेफर विनिर्माण क्षमता स्थापित की जा चुकी है। इसमें लगभग 3.4 गीगावाट की पूर्णतः एकीकृत थिन-फिल्म सौर पीवी मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता भी शामिल है। उच्च दक्षता सौर पीवी मॉड्यूलों हेतु PLI योजना के अंतर्गत चयनित विनिर्माताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, दिनांक 30.06.2026 तक इस योजना के अंतर्गत लगभग ₹73,400 करोड़ का निवेश किया जा चुका है।

इसके अतिरिक्त, वाणिज्य विभाग के *Export-Import Data Bank* के अनुसार, सौर मॉड्यूलों का आयात वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 4,354 मिलियन अमेरिकी डॉलर से घटकर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 994 मिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया है।

(ङ) सरकार ने फरवरी, 2024 में पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना (PM Surya Ghar: MBY) प्रारंभ की, जिसका उद्देश्य विकेन्द्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का लोकतांत्रिक विस्तार करते हुए एक करोड़ परिवारों में रूफटॉप सौर (RTS) प्रणालियों की स्थापना करना है। दिनांक 18.07.2026 की स्थिति के अनुसार, इस योजना के अंतर्गत 47.26 लाख परिवार लाभान्वित हुए हैं। चूंकि विद्युत का उत्पादन उपभोग स्थल के निकट होता है, इसलिए इससे वितरण हानियों में कमी आती है तथा दिन के समय ग्रिड पर पड़ने वाली अधिकतम विद्युत मांग (Peak Power Demand) में भी कमी आती है।

(च) दिनांक 30.06.2026 की स्थिति के अनुसार, देश की कुल स्थापित सौर क्षमता 162.15 गीगावाट है, जिसमें 125.60 गीगावाट उपयोगिता-स्तरीय (Utility Scale) परियोजनाएं, 30.11 गीगावाट रूफटॉप परियोजनाएं तथा 6.43 गीगावाट ऑफ-ग्रिड परियोजनाएं शामिल हैं। यह बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों तथा जमीनी स्तर पर ऊर्जा पहुंच, दोनों के समान रूप से संतुलित विकास को दर्शाता है ।

*****